स्थापना: 31.10.1920 संस्थापक अध्यक्ष, लाला लाजपत राय

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस
All India Trade Union Congress

अध्यक्ष: रामेंद्र कुमार, पूर्व सांसद महासचिव: अमरजीत कौर
कार्यकारी अध्यक्ष: एच. महादेवन

28 मार्च 2022

ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) द्वारा प्रेस विज्ञप्ति

2 दिवसीय हड़ताल के पहले दिन आज पूरे देश में 20 करोड़ से अधिक मज़दूर, कर्मचारी तथा ग्रामीण मज़दूर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन में सामने आए। दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (INTUC, AITUC, HMS, CITU, AIUTUC, TUCC, SEWA, AICCTU, LPF, UTUC) और स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशनो/एसोसिएशनो के संयुक्त मंच द्वारा हड़ताल का आह्वान किया गया है।

यह 28 मार्च, 2022 को दोपहर 1 बजे तक दिल्ली में एटक मुख्यालय में प्राप्त रिपोर्टों का सार है।

बैंकों, बीमा कंपनियों के मज़दूरों और कर्मचारियों ने भारत में कहीं भी अपने कार्यस्थलों में प्रवेश नहीं किया। कोयला, स्टील, पोस्ट, तेल, तांबा, दूरसंचार क्षेत्र के मज़दूरों ने 28 मार्च की सुबह से हड़ताल की। महाराष्ट्र जहां सरकार ने एस्मा लागू किया था, उसके सहित सभी राज्यों में बिजली कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। केरल राज्य यूनियनो ने 27-28 मार्च की मध्यरात्रि से ही हड़ताल की कार्रवाई शुरू कर दी थी। रेलवे और रक्षा क्षेत्र के कर्मचारियों के द्वारा देश भर में एक हजार से अधिक स्थानों पर उग्र प्रदर्शन आयोजित किए जाने की खबर है। देश के विभिन्न हिस्सों में चक्का जाम, रोड रोको, रेल रोको कार्यक्रमों में सैकड़ों स्थानों पर आंगनवाडी, आशा, मिड-डे मील और घरेलू मज़दूर, निर्माण, बीड़ी और कृषि मज़दूर, हॉकर-विक्रेता विरोध प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं।

हरियाणा में सड़क परिवहन कर्मचारियों ने एस्मा की अवहेलना करते हुए 28 मार्च की सुबह से डिपो पर धरना देकर अपनी हड़ताल शुरू कर दी।

तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, असम, हरियाणा, झारखंड राज्यों में बंद जैसी स्थिति है, गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, बिहार; राजस्थान, पश्चिम बंगाल, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में हड़ताल काफी है। सिक्किम में सुरक्षाकर्मी भी हड़ताल पर चले गए हैं। दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर के औद्योगिक क्षेत्रों में हड़ताल की सूचना है। तमिलनाडु में 50,000 सरकारी कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के 300 स्थानों पर धरना दिया। आयकर विभाग के कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हो गए हैं। मछुआरे भी सुबह समुद्र में नहीं गए।

संयुक्त किसान मोर्चा के निर्णय के अनुसार अपनी छह मांगों को लेकर मजदूरों की मांगों के समर्थन के लिए दबाव बनाने के लिए किसान ग्रामीण क्षेत्रों में लामबंद हो गए हैं।

एटक सचिवालय
मोबाइल: 9810144958